परमात्म ऊर्जा

यह लक्ष्य ज़रूर रखना है - अपने चरित्र द्वारा, चलन द्वारा, वाणी द्वारा, वृत्ति द्वारा, वायुमण्डल द्वारा, सभी प्रकार के साधनों से बाप के प्रैक्टिकल पार्ट की प्रत्यक्षता अवतरण भूमि पर तो प्रत्यक्ष मिलनी चाहिए। सिर्फ स्नेह, स्वच्छता की प्रशंसा तो कहाँ भी कर सकते हैं, छोटे-छोटे स्थानों में भी प्रभाव पड़ सकता है लेकिन कर्म भूमि, चरित्र भूमि द्वारा भूमि में आने की विशेषता होनी चाहिए। जैसे कोई को घेराव डालकर के चारों ओर उसको अपने तरफ आकर्षित करने लिए करते हैं। तो बाप के साथ स्नेह में भी समीप लाने की प्वाइंट्स का घेराव डालो। इसके लिए विशेष इस भूमि पर सम्पर्क में लाने वालों को सम्बन्ध में समीप लाना चाहिए। जो सम्पर्क में आने वाले हैं वही सम्बन्ध में समीप आ सकते हैं।

चारों ओर यही आवाज़ कानों में गूंजता रहे, चारों ओर यही वायुमण्डल उन्हों को भले देता रहे, इसके लिए तीन बातों की आवश्यकता है। अब तक जो हुआ वह तो कहेंगे ठीक हुआ। अच्छा तो सभी होता है, लेकिन अब की स्टेज प्रमाण अब होना चाहिए अच्छे ते अच्छा। जबकि चैलेन्ज करते हो- 4 वर्ष में विनाश की ज्वाला प्रत्यक्ष हो जाएगी; तो स्थापना में भी ज़रूर बाप की प्रत्यक्षता होगी तब तो कार्य होगा ना। अच्छा। कमाल यह है जो विस्तार द्वारा बीज को प्रगट करें। विस्तार में बीज को गुप्त कर देते हैं। अब तो वृक्ष की अन्तिम स्टेज है ना। मध्य में गुप्त होता है। अन्त तक गुप्त नहीं रह सकता। अति विस्तार के बाद आखरीन बीज ही प्रत्यक्ष होता है ना। मनुष्य आत्माओं की यह नेचर होती है जो वैराइटी में आकर्षित अधिक होते हैं, लेकिन आप लोग किसलिए निमित्त हो? सभी आत्माओं को वैराइटी व विस्तार के आकर्षण से अटेन्शन निकालकर बीज तरफ आकर्षित करना।

कथा सरिता

जो जितना ऊंच वो उतना नम्र...

महाराजा विक्रमादित्य प्रायः अपने देश की आंतरिक दशा जानने के लिए वेश बदलकर पैदल घूमने जाया करते थे। एक दिन घूमते-घूमते एक नगर में पहुंचे। वहाँ का रास्ता उन्हें मालूम नहीं था। राजा रास्ता पूछने के लिए किसी व्यक्ति की तलाश में आगे बढ़े।

आगे उन्हें एक हवलदार सरकारी वर्दी पहने हुए दिखा। राजा ने उसके पास जाकर पूछा- "महाशय अमुक स्थान जाने का रास्ता क्या है, कृपया बताइए?" हवलदार ने अकड़ कर कहा - "मूर्ख तू देखता नहीं, मैं हाकिम हूँ, मेरा काम रास्ता बताना नहीं है, चल हट किसी दूसरे से पूछ।"

राजा ने नम्रता से पूछा, महोदय! यदि सरकारी आदमी भी किसी यात्री को रास्ता बता दे, तो कोई हर्ज तो नहीं है? खैर मैं किसी दूसरे से पूछ लूंगा। पर इतना तो बता दीजिए कि आप किस पद पर काम करते हैं? हवलदार ने भोंहे चढ़ाते हुए कहा- अंधा है! मेरी वर्दी को देखकर पहचानता नहीं कि मैं कौन हूँ?

राजा ने कहा- शायद आप पुलिस के सिपाही हैं। उसने कहा नहीं, उससे ऊंचा। तब क्या नायक हैं? नहीं, उससे भी ऊंचा। अच्छा तो आप हवलदार हैं? हवलदार ने कहा, अब तू जान गया कि मैं कौन हूँ। पर यह तो बता इतनी पूछताछ करने का तेरा क्या मतलब और तू कौन है?

राजा ने कहा - मैं भी सरकारी आदमी हूँ। सिपाही की ऐंठ कुछ कम हुई।

उसने पूछा, क्या तुम नायक हो? राजा ने कहा नहीं, उससे ऊंचा। तब क्या आप हवलदार हैं, नहीं, उससे भी ऊंचा। तो क्या दरोगा हैं? उससे भी ऊंचा। हवलदार ने कहा, तो क्या आप कप्तान हैं?

राजा ने कहा, नहीं उससे भी ऊंचा। सूबेदार जी हैं? नहीं, उससे भी ऊंचा। अब तो हवलदार घबराने लगा, उसने पूछा - तब आप मंत्री जी हैं। राजा ने कहा, भाई! एक सीढ़ी और बाकी रह गई है। सिपाही ने गौर से देखा, तो सादी पोशाक में महाराजा विक्रमादित्य सामने खड़े हैं। हवलदार के होश उड़ गये, वह गिड़गिड़ाता हुआ राजा के पांव पर गिर पड़ा और बड़ी दीनता से अपने अपराध की माफी मांगने लगा। राजा ने कहा- "माफी मांगने की कोई बात नहीं है मैं जानता हूँ कि जो जितने नीचे हैं वह उतने ही अकड़ते हैं। जब तुम बड़े बनोगे तो मेरी तरह तुम भी नम्रता का बर्ताव सीखोगे। जो जितना ही ऊंचा है, वह उतना ही सहनशील एवं नम्र होता है और जो जितना नीच वह उतना ही ऐंठा रहता है।"

भीनमाल-राज.। ब्रह्माकुमारीज़ के प्रभु वरदान भवन सेवाकेंद्र में बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए आयोजित त्रिदिवसीय 'समर कैम्प 2024' के दौरान व्यवसायी ओमप्रकाश खेतावत, सेवाकेंद्र संचालिका ब्र.कु. गीता दीदी, मोना अग्रवाल, दीपा देवासी, अध्यापक ब्र.कु. मुकेश कुमावत, ब्र.कु. जगदीश भाई,माउण्ट आबू, ब्र.कु. अंजली, शारदा देवी अग्रवाल तथा प्रतिभागी बच्चे शामिल रहे।

फतेहपुर-उ.प्र.। पुलिस अधीक्षक उदय शंकर सिंह से ज्ञानचर्चा के पश्चात् उन्हें ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. स्वाति बहन।

जीरापुर-म.प्र.। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के कार्यक्रम में दीप प्रज्वलित करते हुए पार्षद सुशीला बरेठा, पार्षद प्रिय पुष्पद, शिक्षिका ज्योत्सना दांगी, सेवाकेंद्र संचालिका ब्र.कु. नम्रता बहन एवं भाजपा नेता इंदिरा मूंदड़ा।

शिवली-कानपुर देहात(उ.प्र.)। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के कार्यक्रम में फूलकुंवारी इंटर कॉलेज की प्रिंसिपल बहन गिरीश कुमारी, जूनियर स्कूल की शिक्षिका बहन आरती एवं ताराचंद्र इंटर कॉलेज के क्लर्क राजेंद्र कुमार पाण्डेय को ईश्वरीय सौगात भेंट करने के पश्चात् उनके साथ उपस्थित हैं ब्र.कु. बिमलेश बहन।

चरखी दादरी-हरियाणा। ब्रह्माकुमारीज़ की पूर्व मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी जानकी के चौथे पुण्य स्मृति दिवस पर आयोजित रक्तदान शिविर में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल महंत सुरेंद्र पुरी, मौलवी सुवालिहीन, रणजीत पाल, बार पूर्व प्रधान ऋषिपाल एवं ब्रह्माकुमारीज़ की जिला प्रभारी ब्र.कु. प्रेमलता बहन रक्तदाताओं को बैज लगाते हुए।

मुकेरियां-पंजाब। कैंब्रिज ओवरसीज़ स्कूल की प्रिंसिपल को ईश्वरीय स्मृति चिन्ह भेंट करते हुए ब्र.कु. उर्मिला दीदी,माउण्ट आबू। साथ हैं ब्र.कु. सुनीता दीदी, ब्र.कु. सपना बहन तथा अन्य।

कुराली-पंजाब। खालसा सीनियर सेकेंडरी स्कूल कुराली में मूल्य शिक्षा के बारे में सभी छात्र-छात्राओं को जागरुक करते हुए ब्र.कु. रंजीत बहन। कार्यक्रम में ब्र.कु. स्वराज बहन ने सभी को राजयोग मेडिटेशन का अभ्यास कराया। इस दौरान स्कूल के प्रिंसिपल कमलजीत सिंह तथा सभी टीचर्स स्टाफ मौजूद रहे।

लुधियाना-पंजाब। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा पृथ्वी दिवस के अवसर पर रखबाग में लुधियाना सबज़ोन संचालिका राजयोगिनी ब्र.कु. सरस्वती दीदी तथा अन्य ब्र.कु. भाई-बहनों द्वारा सामूहिक राजयोग मेडिटेशन कर पृथ्वी की अच्छी सेहत के लिए सकाश दिया गया तथा नगर निवासियों को पर्यावरण संरक्षण के लिए जागरुक किया गया।